रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 ● अंक – 03 ● कानपुर 1 से 15फरवरी 2025 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

अब इलेक्ट्रो होम्यापैथी अपने निर्णयक मोड़ पर आ चुकी है

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सबसे पहले 1907 में लखनऊ में डा0 प्यारे लाल श्रीवास्तव एवं डा0 बलदेव प्रसाद सक्सेना द्वारा प्रकाश में लाया गया तब बहुत कम लोग ही इस विधा के जानने वाले थे बात आई गयी हो गयी चूँकि उस समय होम्योपैथी भी अपने पैर जमाने में लगी थी बंगाल से लेकर गद्दास दिल्ली उत्तर प्रदेश में होम्योपैथी सक्रियता के साथ अपने पैर जमा रही थी एक समय था जब पश्चिम बंगाल से कोई भी होम्योपैथी से सम्बंधित पत्र व्यवहार करता तो बकायदा उसे कुछ दवाओं के साथ एक संक्षिप्त पुस्तिका उपलब्ध करा दी जाती उस समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी भी अपने पैर भारत में जमा रही थी प्रतिस्पर्धा का मामला हर युग में हुआ है चाहे छोटे स्तर का हो या फिर बड़े स्तर का इलेक्ट्रो होम्योपैथी ने भी नेक टू नेक अपना असतित्व जमाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी थी मामला बहुत दिनों से अनिर्णय की स्थिति में चलता रहा कभी मामला बनता तो कभी बिगड़ जाता, बनने बिगड़ने का यह खेल पिछले 1948 से प्रारम्भ हुआ यद्यपि 1880 के आस–पास दक्षिण भारत एवं बंगाल में काफी ज़ोर–शोर के साथ इलेक्ट्रो होम्यापैथी अपने पैर जमाने का प्रयास कर रही थी भारत सरकार उस समय स्वास्थ्य से सम्बंधित विषय पर गंभीर थी, तब भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरु जी ने देश की जनता से आवाहन किया कि प्रतिभायें सामने आयें तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी देश के सामने डट कर खड़ी हुयी 77 वर्षों से संघर्ष जारी है 77 वर्ष का समय बहुत लम्बा होता है पीढ़ियाँ बदल जाती हैं।

कुछ लोग जो बहुत जुझारू थे वह अब हमारे बीच नहीं हैं परन्तु उनके कार्य प्रेरणा के रूप में हमें अभी भी प्रेरित करते रहते हैं, इसी प्रेरणा से ओत प्रोत होकर हम निरन्तर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं तमाम उतार चढ़ाव के बाद आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी अपनी सबसे मज़बूत स्थिति में है शासकीय और वैधानिक अधिकार भी प्राप्त हो चुके हैं और इन्हीं प्राप्त अधिकारों के आधार पर अधिकारिता पूर्वक कार्य हो रहा है, परन्तु जो अपेक्षित सुधार होने चाहिये वह अभी भी नहीं हो पा रहे हैं जो धीरे–धीरे नई स्थिति निर्मित करते जा रहे हैं।

अधिकार प्राप्त हुए राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 14 वर्ष व प्रान्तीय स्तर पर 13 वर्ष पूरे हो चुके हैं इतनी लम्बी अवधि बीत जाने के बाद भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी का जो संवैधानिक स्तर होना चाहिये उसके लिए हम भी संघर्षरत हैं यह संघर्ष तब तक चलता रहेगा जब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी को एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति की भाँति शासकीय संरक्षण प्राप्त नहीं हो जायेगा इस संरक्षण को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की भारत सरकार से अधिकार प्राप्ता एक मात्र इलेक्ट्रो होम्योपैथिक का संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया व प्रदेश स्तर पर शासकीय आदेश प्राप्त व सम्पूर्ण प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा, शिक्षा व अनुसंधान को संचालित करने वाली एक मात्र विधि सम्मत ढंग से स्थापित संस्था बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने कमर कस ली है।

पिछले माह 11 जनवरी, 2025 को दोनों संगठनों के शीर्ष अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में आड़े आने वाले विभिन्न पहलुओं पर गम्भीरता से विचार किया गया कई चक्रों के विचार मंथन के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी की व्यक्तिगत नहीं है, इस चिकित्सा पद्धति का लाभ समाज के हर वर्ग को मिलना चाहिये, इसलिए ऐसे तत्व जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में बाधा बन रहे हैं उनसे कड़ाई से निपटा जाये बैठक में उपस्थित सभी चिन्तकों ने एक स्वर से इस बात का समर्थन किया कि इन्तेज़ार बहुत हो चुका है अब इन्तेज़ार में समय नष्ट नहीं करना चाहिये।

कोई एक ऐसी नीति निर्धारित की जाये जो कि सबको समाहित करती हुई इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास का मार्ग प्रशस्त करे, यह इसलिए आवश्यक हो गया है क्योंकि यदि ज़्यादा समय मात्र इन्तेज़ार में गवांया गया तो चिकित्सकों का मनोबल गिरता है, साथ–साथ बदलती हुई परिस्थितियों में स्वरूप भी बदल जाता है, आज स्थिति साम्य है शासकीय सहयोग भी है और स्थितियां भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के पक्ष में हैं इसलिये हर बिन्दु को दृष्टिगत रखते हुए इसपर कार्य अविलम्ब प्रारम्भ कर देना चाहिये।

जैसे ही यह निर्णय लिया गया तो राष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया व प्रदेश स्तर पर बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 सक्रिय हो गये हैं सबसे पहले इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया द्वारा उन लोगों को सचेत किया जायेगा जो लगातार विभिन्न क्षेत्रों में निरन्तर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को नुकसान पहुँचा रहे हैं, इसमें सबसे प्रमुख क्षेत्र है औषधि निर्माण का क्षेत्र, पिछले 10 – 15 वर्षों के अन्दर पूरे देश में एकदम से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के औषधि निर्माताओं ने जन्म ले लिया है और सब अपने – अपने स्तर से अपने उत्पादन व अपनी कार्य–विधि को सही ठहरा रहे हैं, जोकि किसी भी स्तर से तर्कसंगत नहीं है यह लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्राचीनता से छेड़–छाड़ कर रहे हैं और तो और यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इतिहास पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहे हैं, ऐसा करके वह अपने लिए तो लाभ अर्जित कर रहे हैं लेकिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी का जितना नुकसान कर रहे हैं उसका उन्हें शायद अनुमान नहीं है एक ओर तो मान्यता पाने की लड़ाई लड़ी जा रही है वहीं दूसरी तरफ इस लड़ाई को लड़ने के लिए जो तथ्य प्रस्तुत किये जा रहे हैं वह इस लड़ाई को कमज़ोर कर रहे हैं, वैज्ञानिकता के नाम पर जो मखौल उड़ाया जा रहा वह दिन प्रतिदिन गम्भीर होता जा रहा है पूरे देश में मान्यता दिलाने के नाम पर जो खेल खेला जा रहा है वह एक न एक दिन घातक होगा और उस विस्फोटक का प्रदूषण हम सबको प्रभावित करेगा, इसलिये बिना किसी विलम्ब के इन सब बातों पर लगाम लगाई जायेगी हमारे बीच बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रबल समर्थक व अगुवाकार बनते हैं और यह दावा करते हैं कि वही इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों का बचाव करेंगे सम्मतः इन लोगों के मन में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति वह विश्वास नहीं था तभी तो ऐसे लोगों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथ–साथ अन्य पैथी के शरण में जाकर अपने आपको ज़्यादा सुरक्षित समझा ! जो व्यक्ति पहले अपनी सुरक्षा के लिए जगह बदल रहा हो वह इलेक्ट्रो होम्योपैथों की सुरक्षा कैसे करेगा ? ऐसे लोगों को अपने विचार में परिवर्तन करना चाहिये और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संघर्ष की मुख्यधारा से जुड़कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को और तेज़ करें।

परिवर्तन के इस कालचक्र में हमें अपनी निगाह बड़ी पैनी रखनी है पता नहीं अपने हित के लिए कौन क्या झूठ बोलने लगे ! यह बात सत्य है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आदेश सबके लिए है परन्तु इस आदेश का उपभोग वही कर सकता है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया से अनुमोदित हो, कुछ लोग मनमानी कर रहे हैं ऐसे लोगों को समय रहते अपने गलत कार्यों पर स्वंय अंकुश लगा लेना चाहिये तथा जो आन्दोलन इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित में चलाया जा रहा है उससे जुड़ जाना चाहिये, जो लोग अभी भी मुख्य धारा में नहीं जुड़ेंगे उन्हें आने वाले समय में कोई लाभ मिलने वाला नहीं है क्योंकि आन्दोलन अब अपने चरम पर है या दूसरे शब्दों में यह कहें कि धीरे–धीरे यह आन्दोलन अब निस्तारण की तरफ़ बढ़ रहा है इसलिये वह सारे के सारे लोग जो अपने आप को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए समर्पित बताते हैं उन्हें तत्काल आन्दोलन की सही धारा बनानी चाहिये, धीरे–धीरे भारत सरकार का नियन्त्रण इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर बढ़ता जा रहा है मान्यता की पूर्व की स्थिति जिसे हम नियमन की स्थिति कहते हैं निर्मित हो रही है इसलिए ऐसे निर्माण में कोई भी बाधा स्वीकार नहीं होगी।

अधिकांश राज्यों में क्लीनिकल स्टैब्लिशमेन्ट एक्ट–2010 प्रभावी हो चुका है, जो राज्य शेष बचे हैं उनमें भी शीघ्र ही लागू होने की सम्भावना है ऐसी स्थिति में सतर्कता बरतें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास से ही सबका विकास।

शीघ्र ही निस्तारित होगा मामला
अनिर्णय के लिये नहीं कोई स्थान
व्यक्तिगत नहीं सार्वजनिक है पैथी
ठीक से कार्य करने के हैं अवसर
सुधरने का दिया जायेगा मौका
पहला प्रयास सबका साथ
सबका विकास

आखिर लोग विचलित क्यों हो रहे हैं

इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े लोगों को हर, साल दो साल में विचलित होने का अवसर प्राप्त होता रहता है, कोई न कोई ऐसा कारण बन ही जाता है जब इससे जुड़े व्यक्ति विचलित होते रहते हैं विचलित होने का अपना एक इतिहास है, कुछ आंकड़े आपके सामने प्रस्तुत हैं 1998 में जब दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश आया और इस आदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कुछ निर्देश जारी किये गये, उनमें से कुछ निर्देश यह हैं जैसे डिग्री, पर प्रतिबन्ध ! लोग इससे विचलित हो गये !! डाक्टर शब्द लिखने पर विचार, लोग इसपर विचलित हो गये !!! 25 नवम्बर, 2003 को भारत सरकार का आदेश आया लोग विचलित के साथ–साथ भयभीत भी हो गये, 5–5–2010 को स्पष्टीकरण आया लोग विचलित हो गये, 21 जून, 2011 का आदेश आया इस आदेश से कुछ लोग अधिक विचलित हो गये कि यह तो आदेश इहमाई वालों के लिए है हमारा क्या होगा ? 4 जनवरी, 2012 को उत्तर प्रदेश सरकार ने बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए शासनादेश जारी कर दिया यह आदेश तो उत्तर प्रदेश के लिए था परन्तु विचलित पूरा देश हो गया कि अब यह तो उत्तर प्रदेश में एकाधिकार जमायेंगे।

2 सितम्बर, 2013 को महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 ने समस्त अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा समस्त मुख्य चिकित्साधिकारियों को पत्र लिखकर 4 जनवरी, 2012 को जारी शासनादेश के परिचालन का पत्र लिखा इस पर भी लोग विचलित हो गये 14 मार्च, 2016 को निदेशालय ने पत्र जारी किया लोग विचलित हो गये, 03 अगस्त, 2016 को आयुष ने पंजीयन से सम्बन्धित पत्र जारी किया लोग विचलित हो गये अब 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने एक नोटिस क्या जारी किया पूरा देश विचलित है।

तरह–तरह की कार्यवाहियां हो रही हैं, रोज़ बैठकों का दौर चल रहा है, मांगने और देने का सिलसिला जारी है, इसकी आड़ में कहीं– कहीं उगाही भी हो रही है, पूरे देश में ऐसी उहापोह मची है, जैसे कि कुछ अनिष्ट की आंशका है, सच बात तो यह है कि जब तक जीवन है,

तब तक स्पंदन है,

तभी तक विचलन।

लेकिन ज़्यादा विचलन ठीक नहीं होता है क्योंकि जब मन विचलित होता है तो इसका सीधा प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है जिससे कि कार्य प्रभावित होता है, सरकार द्वारा हमें जो कुछ भी मिलता है उसके पीछे कहीं न कहीं हम सब होते हैं पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने का पूरा अवसर है परन्तु हमें जो मिलता है हम उससे ज़्यादा पाना चाहते हैं इसलिए सरकार से इतना पत्र व्यवहार कर दिया कि सरकार को हिलना ही पड़ा, हमारी मांग लगातार यही रहती है कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान करे और इस मांग में हम यह भूल जाते हैं कि सरकार को मान्यता देने में अपने कुछ मापदण्ड होते हैं इन मापदण्डों को पूरा करने के बाद ही हम मान्यता का स्वाद चख सकते हैं, सरकार ने यह तो वादा नहीं किया कि मान्यता देंगे यह अवश्य कह दिया कि सरकार एक अधिशासी आदेश पारित करेगी, कब पारित करेगी इसका कोई अन्दाज़ा नहीं है, अर्थात अब सारा दारो–मदार सरकार पर निर्भर करता है।

वैसे हमारी यही कामना है कि जो भी लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े हैं वह सद्भावना के साथ आपस में जुड़े रहें क्योंकि सामूहिक प्रयास से ही सफलता मिले तो आनन्द अधिक मिलता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में सबका अधिकार है इसलिए इस अधिकार का सुख सबको समान रूप से मिले।

संक्षिप्त में यह समझें कि वर्तमान में 21 जून, 2011 का भारत सरकार का आदेश एवं 4 जनवरी, 2012 का उत्तर प्रदेश सरकार का शासनादेश ही बचा है जिससे आप इलेक्ट्रो होम्योपैथी से निडर होकर अपना चिकित्सा व्यवसाय कर सकते हैं।

स्वर्ण जयन्ती पर हुई चर्चा

बोर्ड से सम्बद्ध प्रदेश के अनेक प्रमुखों ने भाग लिया

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 विगत 50 वर्षों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में अबाध्य रुप से अपनी सेवायें चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषतः इलेक्ट्रो होम्योपैथी को न सिर्फ आगे बढ़ा रहा है अपितु अपनी कार्य शैली के माध्यम से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों के सुव्यवस्थित एवं नियमित शिक्षण हेतु बोर्ड द्वारा प्रदेश के अनेक जनपदों में शिक्षण हेतु संस्थानों एवं अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से अनेकों कार्यक्रमों के साथ–साथ नये (फ्रेशर्स) को भी उचित शैक्षिणिक गुणवत्ता के साथ साथ चिकित्सा जगत में जहां एक ओर चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियां कठिन रोगों के उपचार हेतु प्रचलन में हैं वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियां भी साध्य एवं असाध्य रोगों के उपचार हेतु आरोग्य प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत कर रहा है।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के मुख्यालय लखनऊ में बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी की अध्यक्षता में प्रदेश के बोर्ड से सम्बद्ध अनेक संस्थानों के प्रमुखों के साथ एक बैठक हुई जिसमें बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के स्वर्ण जयन्ती समारोह आयोजित करने पर विचार विमर्श किया गया विदित हो कि बोर्ड की स्थापना 24 अप्रैल, 1975 को हुई थी।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का 50वां स्थापना दिवस समारोह आगामी 24 अप्रैल, 2025 दिन–गुरुवार, प्रातः 10 बजे, स्थान– सहकारिता भवन, (निकट बापू भवन) लखनऊ में होना निश्चित है , इस अवसर पर अनेक कार्यक्रमों की रुप रेखा तैयार की गयी, कार्यक्रम में प्रदेश के अनेक जनपदों से आये हुये चिकित्सकों, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट, स्टडी सेन्टरर्स के प्रमुखों ने अपने–अपने विचार दिये उनपर विस्तृत चर्चा हुयी कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु अनेक सुझाव दिये गये।

अन्त में तय हुआ कि 16 फरवरी, 2025 को लखनऊ के स्थानीय चिकित्सकों के साथ भ एक बैठक की जायेगी, यदि आवश्यक हुआ तो पुनः बैठक की जा सकती है और मीटिंग का समापन हुआ।

ऊपर इन्सेट में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी के साथ बैठे हुये लखीमपुर से आये हुये डा0 राकेश शर्मा स्वर्ण जयन्ती पर चर्चा करते हुये। – छाया गज़ट

गणतंत्र दिवस के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सालय का उदघाटन

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी द्वारा स्थानीय आवास विकास हंसपुरम कानपुर में एक निःशुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सालय का उदघाटन किया गया।

Electro Homoeopathic Medical Association of India

E.H.M.A.I.

IS ONLY

NATIONAL ORGANIZATION

of

Electro Homoeopathy

AS CERTIFIED BY

GOVT. OF INDIA

Ministry of Health & Family Welfare

Vide Order No C.30011/22/2010/HR

Dt. 21-06-2011

Regarding Practice , Education & Research

Become a member yourself

&

Inspire others

E-mail ehmaik@gmail.com * *website www,behm,org.in

List of Medical Institutes/Institute

Sr.	Code	Name	District	Principle & Mob.No.
1	01	Ashish Electro Homoeopathic Medical Institute	RAIBARELY	EH Dr. P. N. Kushwaha 9415177119
2	03	Awadh Electro Homoeopathic Medical Institute	LUCKNOW	Dr. Ashutosh Kapoor 7007592773 , 9125720111
3	05	Bhagwan Mahaveer Electro Homoeopathic Institute	JAUNPUR	EH Dr. P. K. Maurya 9451162709
4	06	Maa Sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	LAKHIMPUR	EH Dr. R.K. Sharma 9454236971
5	11	Chand Par Electro Homoeopathic Medical Institute	AZAMGARH	EH Dr. Mushtaq Ahmad 9415358163
6	12	Institute of Electro Homoeopathy	KANPUR	Contact No 9450153215,9415074806
7	13	Azad Electro Homoeopathic Medical Institute, Kintoor	BARABANKI	EH Dr. Habib-ur-Rehman 8574239344
8	14	Dr. R. C. Upadhyay Institute of Electro Homoeopathic	SADABAD	Dr. Mamita 8193940245
9	15	Electro Homoeopathic Medical Institute	SHAHJAHANPUR	EH Dr. Ammar-Bin-Sabir 9336034277
10	16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Institute	Shahganj JAUNPUR	EH Dr. S. N. Rai 9450088327
11	17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	SIDDHARTH NAGAR	Dr.Ved Prakash Srivastav 9936022029

List of Study Centres

Sr.	Code	Name	District	Principle/ Manager & Mob.No.
12	51	Fatehpur E.H. Study Centre	FATEHPUR	EH Dr. Vakeel Ahmad 8115210751
13	52	Deoria E.H. Study Centre	DEORIA	EH Dr. P. K. Srivastav 9415826491
14	53	Bahraich E.H. Study Centre	BAHRAICH	Dr. Bhoop Raj. Srivastav 9451786214
15	54	Unnao E.H. Study Centre	UNNAO	EH Dr. Gaurav Dwivedi 9935332052
16	55	Walidpur E.H. Study Centre	Walidpur MAU	EH Dr. Ayaz Ahmad 9305963908
17	56	Aarti E.H. Study Centre	JALAUN	EH Dr. Gaya Prasad 8874429538
18	57	B.K. E.H. Study Centre	HAMIRPUR (U.P.)	EH Dr. N.B.Nigam 7007352458
19	58	Electro Homoeopathic Study Centre	Hasanganj UNNAO	Hakim Mohd. Rashid Hayat 9005680843
20	59	Sirsaganj E.H. Study Centre	Sirsaganj FIROZABAD	EH Dr. Mohd. Israr Khan 9634503421
21	60	Etawah E.H. Study Centre	ETAWAH	EH Dr. Mohd. Akhlak Khan 7417775346
22	61	Firozabad E.H. Study Centre	FIROZABAD	EH Dr. Shiv Kumar Pal 9027342885
23	62	D.L.M.M. Study Centre of E.H.	MAHARAJGANJ	EH Dr. Prince Srivasta 7398941680
24	63	Kushwaha E.H. Study Centre	KANPUR	EH Dr. Ram Autar Kushwaha 9793264649
25	64	Rajendra E.H. Study Centre	VARANASI	Mr. Shashi Kant Maurya 7007730953

AUTHORISED STUDY CENTRES OF OTHER STATES

Sr.	Code	Head of Centre	Address	District
26	81	Gautam Budh Electro Homoeopathic Study Centre	374/4 Shaheed Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar, DELHI-110090	EH Dr. Devendra Singh Mobile No 9818120565
27	82	The New Era of Electro Homoeopathy Study/Guidance Centre	12/1891 Ground Floor, Shop No: 3, Honey Park Apartment, Saiyed Wada, Shahpore, SURAT-395003	EH Dr. Abdul Rahman Khan Mobile No 8000241542

LIST OF AUTHRISED EXAMINATION CENTRES

Sr.	Code	Name of Examination Centre	Address	Name of Supdt. & Mobile No.
28	91	Khurja E.H. Examination Centre	Kurja , BULAND SHAHAR	EH Dr. P. K. Raghav 7505186156
29	92	E.H. Examination Centre, Moradabad	MORADABAD	EH Dr. S.K. Saxena 8171869605
30	94	E.H. Examination Centre	B.E.H.M.U.P. KANPUR	Registrar B.E.H.M.U.P 0512-2970704
31	96	E.H. Examination Centre	RAIPUR (Chattsgarh)	Dr. Rakesh Dubey 7714915587

Registrar B.E.H.M.U.P.

बी० ई० एच० एम० के लिए डा० अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।